सहकारी मिलें 15 से पेराई को तैयार

राज्य मुख्यालय | संतोष वाल्मीकि

उत्तर प्रदेश में आगामी पेराई सत्र के लिए गहमागहमी शुरू हो गई है। प्रदेश की 23 सहकारी चीनी मिलों के रखरखाव और आवश्यक मरम्मत का काम पूरा हो चुका है। मिलें और उनसे सम्बंधित गन्ना क्रय केन्द्र 15 अक्तूबर से पेराई के लिए तैयार हैं। दूसरी ओर, प्रदेश की 95 निजी चीनी मिलों में पेराई फिर लेट होने की सम्भावना है।

इस बीच, खबर है कि गन्ना मूल्य तय करने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित कमेटी की बैठक 10 अक्टूबर के बाद किसी भी दिन हो सकती है। कमेटी अपना प्रस्ताव मुख्यमंत्री को भेजेगी और फिर कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद अगले पेराई सत्र के लिए गन्ने का राज्य परामर्शी मूल्य (एस.ए.पी.) घोषित कर दिया जाएगा।

उ.प्र. सहकारी चीनी मिल्स संघ के प्रबंध निदेशक डा.बी.के.यादव ने 'हिन्दुस्तान' को बताया कि नानपारा, ननौता और कायमगंज स्थित सहकारी चीनी मिलों में इस बार एथेनाल की इकाइयां भी संचालित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अलावा नजीबाबाद की सहकारी चीनी मिल में गन्ने की खोई से बिजली उत्पादन और डिस्टलरी संचालित करने की भी योजना है।

मरम्मत का काम पूरा

- दस के बाद कभी हो सकती है गन्ना मूल्य तय करने को मुख्य सचिव की कमेटी की बैठक
- निजी मिलों का संचालन दिसम्बर से पहले मुश्किल
- परामर्शी मूल्य तय करते समय किसानों की लागत का खयाल रखने का आग्रह

जहां तक निजी चीनी मिलों की बात है, इन निजी मिलों में से अधिकांश ने आगामी पेराई सत्र के लिए आवश्यक मरम्मत व रखरखाव का काम अभी तक नहीं करवाया है।

इन मिलों के प्रतिनिधि राज्य के गन्ना आयुक्त द्वारा बुलाई गई गन्ना क्षेत्र आरक्षण बैठकों में ही शामिल नहीं हुए। इन 95 मिलों में से 67 मिलों के संचालकों ने तो प्रदेश सरकार को इस बार मिलों का संचालन न करने का नोटिस ही पहले से दे रखा है। अगर यह मिलें अब से अनुरक्षण का काम शुरू करें तो भी कम से कम 10 हफ्ते का वक्त तो लगेगा ही। इस लिहाज से दिसम्बर से पहले तो राज्य की निजी चीनी मिलें चलना मुश्किल ही लग रहा है।

हालांकि, गन्ना समितियों के संघ के अध्यक्ष अवधेश मिश्र को पूरी उम्मीद है कि राज्य की सभी निजी मिलें भी समय से पेराई शुरू कर देंगी। उन्होंने प्रदेश सरकार से आग्रह किया है कि गन्ने का राज्य परामर्शी मूल्य तय करते समय किसानों की लागत का भी पूरा खयाल रखा जाए।